श्री सनातन धर्म प्रकाश चंद्र कन्या महाविद्यालय, रुड़की, हरिद्वार

महाविद्यालय-एक अवलोकन

श्री सनातन धर्म प्रकाश चंद्र कन्या महाविद्यालय की स्थापना 1966 में हुई थी। बालिका शिक्षा हेतु अग्रणी यह रुड़की नगर क्षेत्र का सबसे पुराना लब्ध प्रतिष्ठित अशासकीय महाविद्यालय में कक्षाओं का वर्णन निम्नवतहै-----

१. बी. ए .(7 विषय) ,आंग्ल साहित्य, हिंदी साहित्य , संस्कृत साहित्य, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान,समाजशास्त्र ,कला विभाग।
२. एम.ए.(स्वायत्तशासी)(2 विषय) ,कला एवं पेंटिंग तथाराजनीति विज्ञान
३. बी.एस.सी.-(स्वायत्तशासी) रसायन विज्ञान ,गणित ,जंतु विज्ञान, भौतिक विज्ञान, कंप्यूटर, वनस्पति विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी।

महाविद्यालय में विषयवार कुल छात्र संख्या निम्न वत है----

- कला संकाय--849
- विज्ञानसंकाय--492
- एम.ए.ड्राइंग एवं पेंटिंग--62
- एम .ए. राजनीति विज्ञान–53

ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया-

-लॉकडाउन घोषित होने के दो-तीन दिन के अंतराल के पश्चात ही दिनांक से महाविद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में ऑनलाइन शिक्षण कार्य प्रारंभ हो गया। लॉकडाउन छात्राओं की शिक्षा मार्ग में किसी प्रकार का अवरोधक ना बने ,इस हेतु प्राध्यापिका वर्ग द्वारा शिक्षण कार्य हेतु विभिन्न आऑनलाइनशिक्षण माध्यमप्रयुक्त किए गए, यथा-

- व्हाट्सएप ग्रुप में ऑडियो एवं वीडियो व्याख्यान
- जूम एप द्वारा
- गूगल क्लासरूम
- गूगल मीट
- यूट्यूब लिंक
- पिक्टोरियल नोट्स
- पीडीएफ फाइल्स

मार्च के अंतिम सप्ताह से 30 मई तक जो ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की गईं, उसमें प्रारंभ में छात्रा संख्या कम थी किंतु शनै: शनै:छात्राएं ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया से जुड़ती चली गई जिससे छात्रा संख्या में वृद्धि होती गई। जिस का विवरण निम्नवत है---

- कला संकाय --727
- विज्ञान संकाय --473
- एम.ए.ड्राइंग एवं पेंटिंग--58
- एम. ए .राजनीति विज्ञान--46

विभिन्न प्रयासों के बाद भी कुछ छात्राएं विभिन्न कारणों से ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं हो सकीं।

फीडबैक

महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिका वर्ग ने अत्यंत उत्साह के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण को द्रुत गति से आगे बढ़ाया।छात्राओं के लिए यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कितना लाभप्रद रहा तथा उसे और किस प्रकार अधिकप्रभावी बनाया जा सकता है ,यह जानने हेतु एक ऑनलाइन फीडबैक तैयार किया गया इसमें छात्रा केवल एक बार ही फीडबैक भर सकती थी।इसका विवरण निम्नवतहै–

विभिन्न संकाय फीडबैक भरने वाली छात्राओं की संख्या कुल प्रतिशत

- कला संकाय - 36.3%
- विज्ञान संकाय- 53.3%
- एम.ए.राजनीति विज्ञान एवं ड्राइंग एवं पेंटिंग- 10.5%

छात्राओं ने उत्साह का परिचय देते हुए निष्पक्ष भाव से फीडबैक फॉर्म भरे ।पाई चार्ट द्वारा जिस का विवरण निम्नवत है-

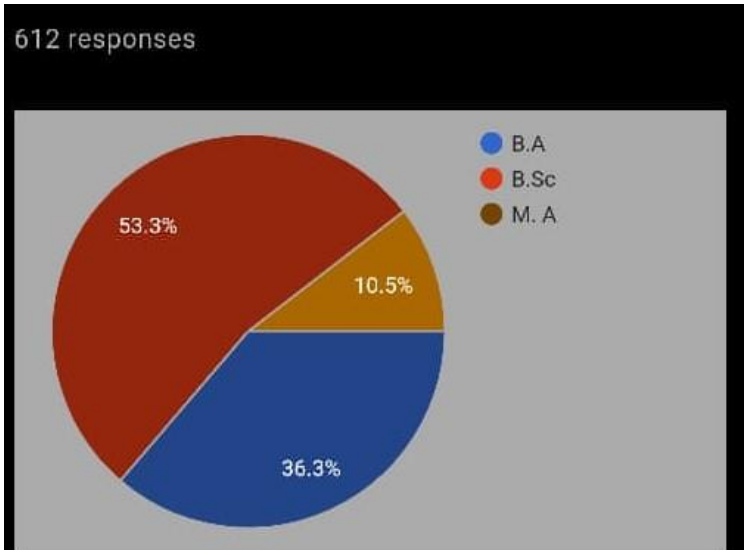

1-क्या आपका अपना स्मार्टफोन है?

हां – 81%

नहीं- 17%

अन्य- 2%

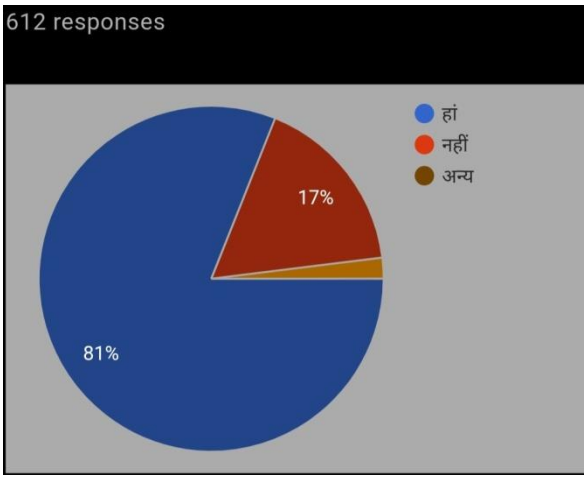

2-क्या आपके फोन में कनेक्टिविटी रहती है?

हां- 90.5%

नहीं- 9.5%

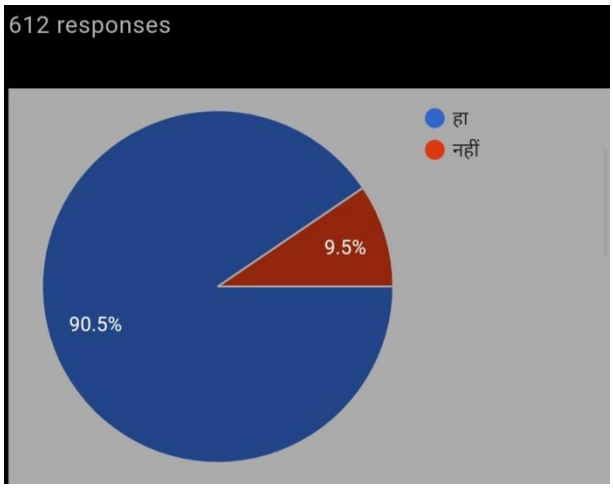

3-क्या आप नियमित ऑनलाइन शिक्षण प्राप्त करते हैं?

हां-97.1%

नहीं-2.9%

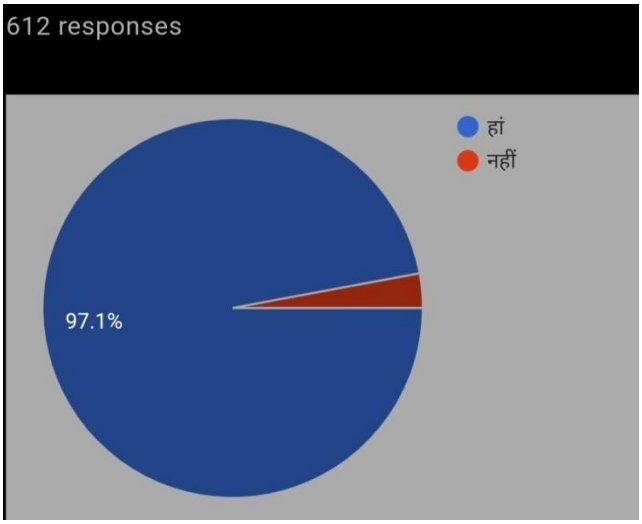

4-क्या आप के सभी विषयों का सिलेबस पूरा हुआ है

हां-90.2%

नहीं-9.8%

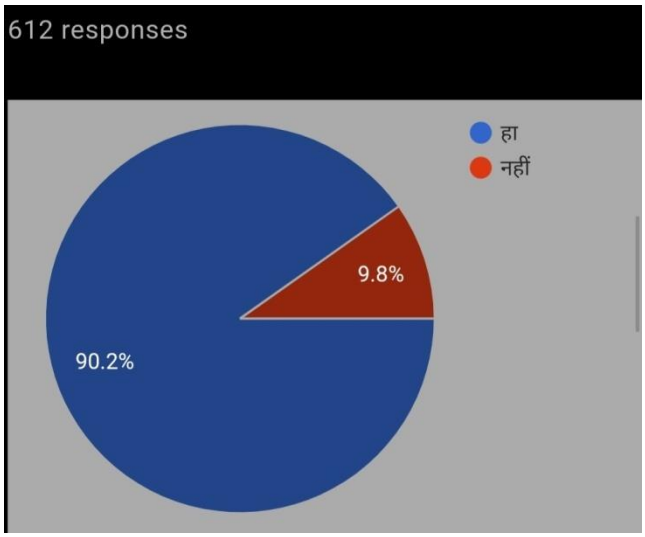

5-क्या आपको साप्ताहिक असाइनमेंट दिया जा रहा है

हां-99.8%

नहीं-0.2%

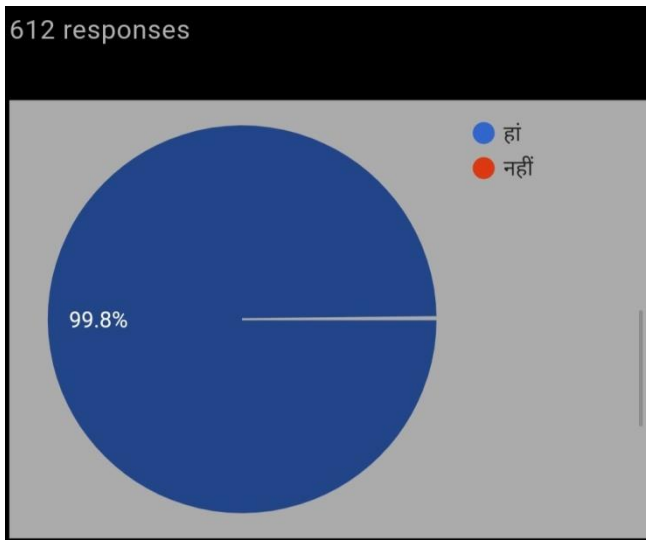

6-क्या ऑनलाइन शिक्षण ,क्लास रूम शिक्षण से बेहतर है

हां-28.9%

नहीं-71.1%

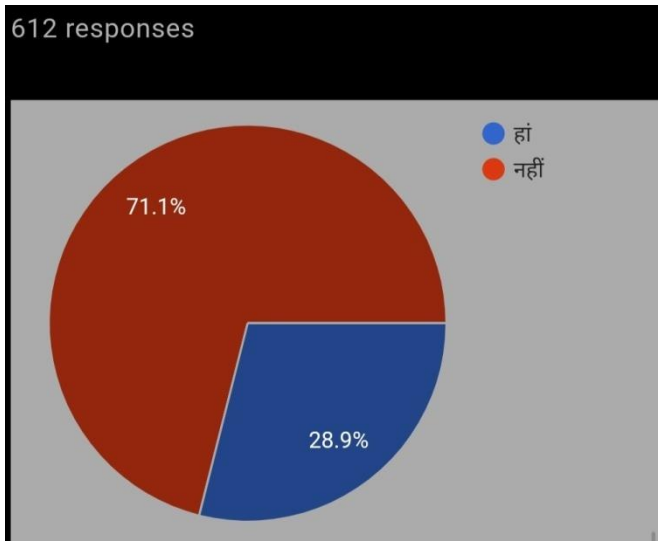

7-क्या आप अपना असाइनमेंट समय से पूरा करके भेजते हैं?

हां-99.2%

नहीं-0.8%

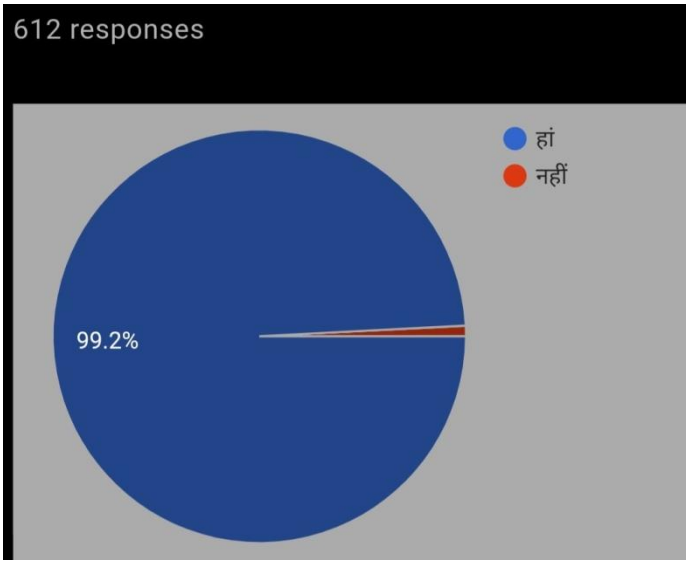

8-ऑनलाइन कक्षाओं हेतु प्रयुक्त विविध माध्यमों में से आपको सबसे अच्छा कौन सा लगा?

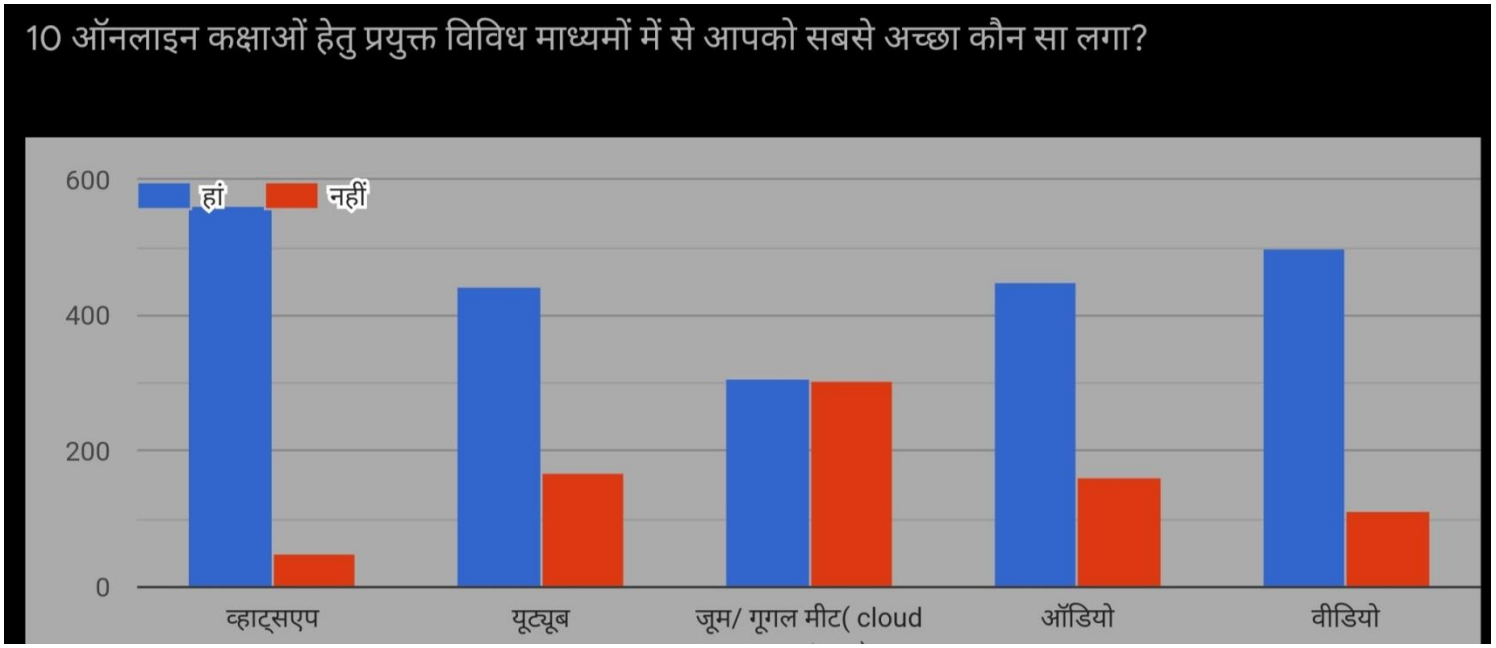

ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत भरवाए गए फीडबैक फॉर्म के डाटा का संक्षिप्त विवरण-

महाविद्यालय की कुल 612 छात्राओं ने फीडबैक फॉर्म भरा ।ऑनलाइन कक्षाओं के संबंध में छात्राओं द्वारा दिए गए विवरण से कुछ महत्वपूर्ण तथ्य निकलकर आए हैं जो कि निम्नवत हैं-

- फीडबैक फॉर्म भरने वाली कुल 612 छात्राओं में से 81% के पास अपना स्मार्टफोन है।
- 90.5% छात्राओं ने यह भी स्वीकार किया कि उनके मोबाइल में सदैव कनेक्टिविटी रहती है।
- 97.1% छात्राएं नियमित रूप से ऑनलाइन शिक्षण कक्षाएंलेती हैं।
- 90.2% छात्राओं ने सहमति दी कि उनका पाठ्यक्रम पूर्ण हो चुका है।
- 99.8% छात्राओं ने उत्तर दिया कि उन्हें साप्ताहिक असाइनमेंट दिया जा रहा है और साथ ही 99.2% छात्राएं इसे निर्धारित समय से पूरा करके भेज रही हैं।
- छात्राएं ऑनलाइन कक्षाएं नियमित रूप से ले रहे हैं क्योंकि अन्य कोई विकल्प नहीं है केवल 71.1% छात्राएं ही मानती हैं की ऑनलाइन शिक्षण कक्षा शिक्षण से बेहतर है।

फीडबैक फॉर्म द्वारा प्राप्त निष्कर्ष

छात्राओं ने फीडबैक फॉर्म में ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया उन्हें कैसी लगी किन परेशानियों का सामना करना पड़ा तथा भविष्य हेतु को सुझाव भी दिए हैं जो कि निम्न वत हैं।

ऑनलाइन शिक्षण के लाभ छात्राओं की दृष्टि में-

1. लॉकडाउन की परिस्थितियों में शिक्षण प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए ऑनलाइन शिक्षण के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं है।और हमारे महाविद्यालय में इसका बेहतरीन तरीके से प्रयोग किया जा रहा है।
2. यह बहुत अच्छा माध्यम है जिससे लॉकडाउन के कारण हमारी शिक्षण प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं हुई और साथ ही सब अपने घरों में सुरक्षित हैं।
3. प्राध्यापिका है बहुत मेहनत कर रही हैं और हम उन से लगातार जुड़े रहे।
4. दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षण अच्छा माध्यम है।
5. इससे हम कहीं भी कभी भी एक्सेस करसकतेहैं।
6. किताबों व कॉलेज आने जाने का खर्चा भी बचता है और साथ में समय की भी बचत होती है
7. पेन ड्राइव में व्याख्यान को संरक्षित करके इसे बार-बार देखा व सुना जा सकता है।

ऑनलाइन शिक्षण से संबंधित समस्याएं छात्राओं की दृष्टि में-

फीडबैक द्वारा यह तथ्य उद्घाटित हुआ है एक तरफ जहां छात्राएं ऑनलाइन शिक्षण से संतुष्ट हैं वहीं दूसरी तरफ को छात्राएं ऑनलाइन शिक्षा को असहज महसूस करती हैं उनकी समस्याएं निम्न है-

1. आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के पास स्मार्टफोन तो क्या मोबाइल भी नहीं है। रिचार्ज खत्म हो जाता है तो फिर रिचार्ज नहीं करा पाते हैं।
2. लगातार ऑनलाइन शिक्षण से आंखों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है साथ ही सिरदर्द की समस्या भी बनी हुई है।
3. शिक्षण के लिए facial interaction होना जरूरी है, प्राध्यापिका के द्वारा भेजी गई वीडियोस डाउनलोड नहीं हो पाती।
4. अपना स्वयं का मोबाइल नहीं है भाई जब घर में होता है तभी दे पाता है और केवल तभी कक्षा का व्याख्यान सुन पाते हैं इसी कारण लाइव ऑनलाइन कक्षा भी अटेंड नहीं हो पाती।
5. ऑनलाइन शिक्षण में बहुत कन्फ्यूजन रहता है।
6. दूरदराज की छात्राओं के क्षेत्र में नेट कनेक्टिविटी ठीक नहीं है।
7. व्हाट्सएप ग्रुप से छात्राओं के नंबर लेकर से कॉल और मैसेज आने की बहुत समस्या बड़ी है नंबर ब्लॉक कर देने के बाद भी फिर किसी अन्य नंबर से कॉल आती हैं।
8. लिखने का काम बहुत बढ़ गया है इसलिए पढ़ने का समय नहीं मिलता।
9. ऑनलाइन शिक्षण ठीक है पर कक्षा शिक्षण से बेहतर नहीं।
10. टीचर से सीधे संवाद करते हुए पढ़ना अच्छा लगता है।

ऑनलाइन शिक्षण को बेहतर बनाने हेतु छात्राओं द्वारा प्रदत सुझाव-

1. ऑनलाइन शिक्षण लाइव होना चाहिए।
2. पढ़ाई में कमजोर छात्राओं के लिए अलग से ऑनलाइन कक्षा चलनी चाहिए।
3. प्राध्यापिका ओं को प्रत्येक अध्याय के नोट्स बनाने चाहिए और छात्राओं को भेजना चाहिए।
4. ऑनलाइन कक्षाएं तब भी चलनी चाहिए जब हम कॉलेज में रहते हैं।